भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3490

11.08.2025 को उत्तर के लिए

पर्यावरण के लिए जीवनशैली मिशन

3490. श्री अरुण भारती:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पर्यावरण के लिए जीवनशैली मिशन (लाइफ) के अंतर्गत कार्यान्वित पहलों के आंकडें क्या हैं और इसमें शामिल प्रतिभागियों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार संख्या कितनी है;

(ख) मिशन लाइफ में सर्वाधिक भागीदारी वाले राज्यों या क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है और उभरने वाले सर्वश्रेष्ठ प्रचलन कौन से हैं;

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं कि ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय मिशन लाइफ पहलों में भाग ले सकें;

(घ) मिशन लाइफ में जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने और पर्यावरणीय रूप से स्थायी प्रचलनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या सरकार के पास समुदाय स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु लचीलेपन को बढ़ावा देने में मिशन लाइफ के योगदान संबंधी आंकड़े हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार आगामी पाँच वर्षों के दौरान मिशन लाइफ के दायरे और पहुँच का विस्तार करने पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (च): मिशन लाइफ (पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली) नागरिक-नेतृत्व वाली एक पहल है जो दैनिक स्वैच्छिक कार्यों के माध्यम से व्यक्तियों को संधारणीय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित और सक्षम बनाने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों के व्यक्तियों और समुदायों को प्रकृति के साथ तादात्म्य स्थापित करने वाली जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

लाइफ में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने और पर्यावरण अनुकूल संधारणीय प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए, मंत्रालय ने संबंधित मंत्रालयों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर 'एक राष्ट्र, एक मिशन: प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें', 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर हरित योग', 'एक पेड मां के नाम' के तहत वृक्षारोपण, 3 राज्यों के 13 शहरों में प्रायोगिक आधार पर 'ई-अपशिष्ट जागरूकता और न्यूनीकरण अभियान' आदि जैसे जन जागरूकता अभियान और जागरूकता पहल की हैं। विश्व पर्यावरण दिवस, 2025 अभियान के दौरान 4.96 लाख से अधिक लाइफ कार्यक्रमों में 38 लाख से अधिक प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया और एक पेड मां के नाम अभियान पहल के तहत अब तक 201 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 समारोह के भाग के रूप में, मंत्रालय ने प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए MyGov पर एक महीने का अभियान भी चलाया, जिसमें लगभग 93,000 लोगों ने भाग लिया। मंत्रालय नागरिकों से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का भी उपयोग कर रहा है।

मिशन लाइफ के सात विषयों पर छात्रों, संकायों, शोधार्थियों, आदि से अभिनव विचार प्राप्त करने के लिए वर्ष 2024 में मिशन लाइफ प्रणाली के तहत 'आइडियाज4लाइफ पहल' शुरू की गई थी। कुल 1384 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से सात विषयों में से प्रत्येक में शीर्ष 3 विचारों वाले ऐसे 21 विचारों का अंतिम रूप से चयन किया गया और विश्व पर्यावरण दिवस 2025 पर सम्मानित किया गया।

भारत पर्व, स्वच्छ वायु दिवस, महाकुंभ मेला, भारत जल सप्ताह, विश्व पर्यावरण दिवस 2025, जी20 पर्यावरण और जलवायु संधारणीयता कार्यकारी समूह स्थल (ईएसडब्ल्यूजी), आदि जैसे प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रमों के दौरान भी लाइफ मंडप भी स्थापित किए गए हैं।

नागरिक, संस्थाएँ, संगठन अपनी लाइफ कार्यविधियों की रिपोर्ट मेरी लाइफ पोर्टल पर दे सकते हैं और मिशन लाइफ में की गई विभिन्न कार्यविधियों के आंकडे मिशन की प्रगति की निगरानी के लिए उपलब्ध है। मिशन लाइफ के तहत भागीदारी का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

मिशन लाइफ और इसके सिद्धांतों को भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के गैर-मात्रात्मक लक्ष्यों में भी शामिल किया गया है। मिशन लाइफ के सात विषयों के तहत कार्यविधियाँ जलवायु तन्यता और पर्यावरणीय अनुकूल संधारणीय प्रणालियों के अनुरूप हैं।

मिशन लाइफ की पहुँच और दायरे को बढ़ाने के लिए, मंत्रालय संबंधित मंत्रालयों और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि मिशन लाइफ की पहुँच को बढ़ाया जा सके और इसे मौजूदा क्षेत्रीय स्कीमों, अभियानों और कार्यक्रमों में शामिल किया जा सके। मंत्रालय मिशन लाइफ की वैश्विक पहुँच का विस्तार करने के लिए यूनिसेफ, यूएनडीपी, यूएनईपी और एशियाई विकास बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ भी मिलकर काम कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यूएनईए) ने दिनांक 1 मार्च, 2024 को केन्या के नैरोबी में आयोजित अपने छठे सत्र में भारत द्वारा प्रस्तुत तथा श्रीलंका और बोलीविया द्वारा सह-प्रायोजित संधारणीय जीवन शैली को बढ़ावा देने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाया, जो पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली (लाइफ) की अवधारणा के वैश्वीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रस्ताव को अपनाने के बाद, भारत ने संधारणीय उपभोग और उत्पादन पैटर्न कार्यक्रमों के 10 वर्षीय ढांचे के बोर्ड में भी स्थान हासिल किया। हाल ही में, 'संधारणीय जीवन शैली को बढ़ावा देने' पर यूएनईए के प्रस्ताव पर आधारित 'आर्द्रभूमि के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए संधारणीय जीवन शैली को बढ़ावा देने' पर भारत के संकल्प को जिम्बाब्वे में रामसर पक्षकारों के 15वें सम्मेलन में अंगीकार किया गया था। संधारणीय जीवनशैली के संदर्भ में मिशन लाइफ को विभिन्न वैश्विक मंचों पर स्वीकार किया गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल कार्यकारी समूह III, शर्म-अल-शेख कार्यान्वयन योजना, जी7 शिखर सम्मेलन की आधिकारिक विज्ञप्ति, जी20 नई दिल्ली घोषणा पत्र और सीओपी 28 में हरित उत्थान पहल शामिल हैं।

*****

अनुलग्नक

मिशन लाइफ में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार भागीदारी संबंधी विवरण

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	कुल
1	तमिलनाडु (टीएन)	5722928
2	तेलंगाना	4677142
3	पंजाब (पीबी)	3804208
4	गुजरात (जीजे)	2893601
5	उत्तर प्रदेश (यूपी)	2841040
6	राजस्थान (आरजे)	2715816
7	मध्य प्रदेश (एमपी)	2693550
8	आंध्र प्रदेश (एपी)	2626964
9	जम्मू और कश्मीर (जेके)	2229207
10	असम (एएस)	1979490
11	ओडिशा (ओडी)	1744108
12	केरल (केएल)	1578433
13	झारखंड (जेएच)	1546419
14	महाराष्ट्र (एमएच)	1416204
15	हरियाणा (एचआर)	1332801
16	दिल्ली (डीएल)	1262622
17	बिहार (बीआर)	1222218
18	चंडीगढ़ (सीएच)	1016201
19	कर्नाटक (केए)	939616
20	पश्चिम बंगाल (डब्ल्यूबी)	733709
21	उत्तराखंड (यूके)	720673
22	छत्तीसगढ़ (सीजी)	697456
23	हिमाचल प्रदेश (एचपी)	676413
24	सिक्किम (एसके)	443970
25	गोवा (जीए)	400635
26	मणिपुर (एमएन)	381731
27	दमन और दीव (डीडी)	285926
28	पुडुचेरी (पीवाई)	270600
29	त्रिपुरा (टीआर)	220849
30	मिजोरम (एमजेड)	208597
31	अरुणाचल प्रदेश (एआर)	173664
32	अंडमान और निकोबार (एएन)	161306
33	मेघालय (एमएल)	138399
34	नागालैंड (एनएल)	123004
35	लद्दाख	42886
36	दादरा और नगर हवेली (डीएन)	30788
37	लक्षद्वीप (एलडी)	12954
	कुल	49966128

*****